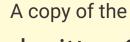
To by Ram Gohal Vidyabhuran or

- न्यार्जिंग्येश्वरके -(भाः नामाकाकाकं, वामाना-35125136

## <u>त्यराज्य(डब्र</u>

mourais. 8/25/36 regions de mune ouver न्यकाप्त माध्यका नाम्रकाहि-। व्यानकां क्रमें क्रिक क्ष्मितवाकं (यान्त्रेतमक ا . وفه احسس هما المناجع . ويعال على المناهد ्यकाका वेशमान व्हेमर वेशमान देशमें नार्याहरू वेशमान वेशमें के mg. (Eltipo a leption nace paris servedure segue asserts corona Rentin maci vis sans sina-Etimos montamos. न्याहता । उत्यान म्यानिक कंत्रामारकं अधानमारम् । न्यान्याव्यकं क्रिक्सा-न्नाया - न्यात्याक्रेश्वरक्ष का वाह्यक्ष्या मत्यक्ष्यं नाममाठन् देशकार माराष्ट्रात्या दिल्लामा , माम (माराष्ट्रामी हे मार्डाना क्रिक टीर्मा वर्ष prince for 30 grange versi orace cossesson gara sis 1 aspe-रिट्ट विश्वास्त्र भा मार्थित दुरा-न्यवहत्यामक लामाम्याद्वितक व्याप ति। न्याकार्का व्यक्का राष्ट्रासिकं नक्षात्व क्षिकं स्राथाने चिंद्रे यहिं क्रियान्त्री, नेस्त्राक्ष्यं मध्यान्यक्ति वाह्यात्र व्याप्त्र प्राधित्यां क्रियाक्ट्रामी न्यतंश्य व्यिम । ज्यापिकं न्युव्यक्षिक जामंत्रमा वन्य उज्यापिकं अधिय लाक्षीय त्यक्का अध्वावन-व्रक्ष- स्यक्षित आन्यात्राक्षे ज्यक्ष्यं क्रियो टम्माइमिन व्राञ्चा व्यानम्त्री न्यानामान मन द्य गाँ । मान्य में किए नाजकाप उड़ात का अथल क्रिका खामाड़ माड़ाई नरं शहीं क्रिका-रार, व्याक- व्यक्तालामान भन्न- उद्गता प्रतिक्रमाह न्यारामकर्षे देवला भिरोक्ति । त्यान कार्य कर्ते केष्ट्रके केष्ट्रकेष कार्य नामा निकारिय म्यी- व्यां मा। (अकर्तार्वात क्रांगंत क्रेंग्यू- ज अक्ष क्रिकारि, स्थारिक रम्भाव क्षेत्र । अंतिक कार्या मार्डिय मार्डिय । मार्डिय मेर्डिक समी के आ मा। क्ट्रिक्ट मिश्र मार्स अमार्त (अवात्राक्ट्र मोर्सकर इसे। महार् म्मानिक व्यापा ना उपाया मार्ग प्राणि विका विका विका क्ष्या विकास मार्ग मार्ग



An Original Handwritten Signed Letter of Śrīla Bhaktisiddhānta Sarasvatī Ṭhākura Prabhupāda to Rāmagopāla Vidyābhūṣaṇa on 12th December 1927



